



दृष्टवेम् स्वजनं कृष्ण युयुत्सु
सपुण्पस्थतम् ॥ सीरिति मम गात्राणि
मुखं च परिशुश्रूते । विषेषु च शरीरे
मे रोमहर्षश्च जायते ॥

अर्जुन बोले- हे कृष्ण ! युद्धक्षेत्रे डटे हुए
युद्धके अधिनायी इस स्वजनसमुदायको
देखकर मेरे अङ्ग स्थित हुए जा रहे हैं और
मुख सूखा जा रहा है तथा मेरे शरीरमें कम्प
एवं रोमांच हो रहा है ॥

भगवान शिव के त्रिशूल पर टिकी है बाबा विश्वनाथ की नगरी वाराणसी

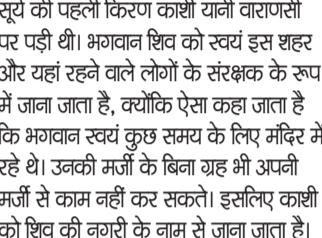
मंदिर के शीर्ष पर छत्र के दर्शन से होती हैं इच्छाएं पूरी, प्रभु स्वयं रुके थे यहाँ

उत्तर प्रदेश के पवित्र शहर वाराणसी में स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर भारत के सबसे प्रतिष्ठित और प्राचीन मंदिरों में से एक है। अगावल शिव को समर्पित बाहर ज्योतिरिंगों में से एक यह मंदिर पवित्र गंगा नदी के पश्चिमी तट पर स्थित है। यह एक प्रतिष्ठित तीर्थ स्थल और आत्मात्मिक ऊर्जा का प्रतीक है, जहाँ भक्त आशीर्वाद और मोक्ष की कामना करने आते हैं और अधिष्ठित हो उठते हैं। वाराणसी को बनारस या काशी भी कहा जाता है। यहाँ भगवान विश्वनाथ गंगा तट पर विराजे हैं। काशी की कल्पना विश्वनाथ के बिना नहीं की जा सकती है। समय के प्रारंभ से ही इसका महत्वपूर्ण इतिहास रहा है। यहाँ स्थित काल भैरव मंदिर को इस क्षेत्र का द्वारपाल कहा जाता है। मंदिर के शीर्ष पर आप एक सुनहरा छत्र है, जिसकी आकर्षक वास्तुकुला देखके लायक होती है। ऐसा माना जाता है कि छत्र के दर्शन करने से आपकी हर मनोकामना पूरी होती है। छत्र को मंदिर के समान ही पवित्र माना जाता है।

दैनिक अनुष्ठान और आरती

काशी विश्वनाथ मंदिर सुबह जल्दी खुलता है और देर शाम तक खुला रहता है। विश्वनाथ मंदिर की आरतियां विशेष आकर्षण का केंद्र होती हैं। लोक मन्त्रालयों के अनुसार समर्पित आरती जो कि संत्या काल में होती है इस आरती में स्वयं समरपण हुर शाम शामिल होते हैं।

आरती	समय
मंगल आरती	सुबह 3 से 4 बजे तक
भोग आरती	सुबह 11:15 से दोपहर 12:20 तक
सप्त ऋषि आरती	शाम 7:00 से 8:15 बजे तक
शृंगार आरती	रात 9:00 से 10:15 बजे तक
शयन आरती	रात 10:30 से 11:00 बजे तक



माना जाता है कि पृथ्वी के निर्माण के दौरान सूर्य की पहली किरण काशी यानी वाराणसी पर पहुंची थी। भगवान शिव को स्वयं इस शहर और यहाँ रहने वाले लोगों के संस्कृत के रूप में जाना जाता है, जोकि ऐसा कहा जाता है कि भगवान स्वयं कुछ समय के लिए मंदिर में रहे थे। उनकी मर्जी के बिना गह भी अपनी मर्जी से काम नहीं कर सकते। इसलिए काशी को शिव की नगरी के नाम से जाना जाता है।

इतिहास और महत्व

विश्व की सबसे प्राचीन नगरी काशी भगवान शिव की नगरी है। विश्वनाथ मंदिर का इतिहास पौराणिक है, जिसका उल्लेख पुराणों, शास्त्रों में मिलता है। माना जाता है कि मंदिर की मूल संरचना का निर्माण 11वीं शताब्दी में राजा हरि चंद्र ने करवाया था। मंदिर को कई आकर्षणों का सामना करना पड़ा। इसे विभिन्न शासकों द्वारा कई बार ध्वस्त और पुनर्निर्मित किया गया। वर्तमान संरचना का निर्माण मराठा राजा अधिल्याहार्ड होल्कर ने 1780 में करवाया था। ऐसा माना जाता है कि राजी के सपने में भगवान शिव प्रकट हुए थे। राजी ने मंदिर का पुनर्निर्माण करवाया। मंदिर के स्वर्ण शिरकर और गुंबद को बाबू महाराजा रणजीत सिंह ने 1839 में बनवाया था।

संविधान केवल वकीलों का दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह जीवन जीने का एक माध्यम है। -डॉ. भीमराव अंबेडकर



समान नागरिक संहिता

उ

त्राणखंड में समान नागरिक संहिता यारी यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) लागू हो गया है। सीएम पुकर सिंह धानी की ओर से मुख्यमंत्री आवास में आयोजित कार्यक्रम में इस कानून का ऐलान करने के साथ ही उत्तराखण्ड यूसीसी लागू करने वाले देश का पहला राज्य बन गया है। मुख्यमंत्री आवास में एक दिन पहले राज्य में यूसीसी लागू करने की घोषणा की थी। भाजपा ने एक किस्म से इसे गारंटी के तौर पर लिया था जो अब जाकर पूरी हुई है। मार्च 2022 में सरकार बनने ही कैबिनेट की पहली बैठक में कमेटी गठन की मंजूरी मिली। फिर 27 मई 2022 को रिटायर्ड जज रंजन प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में कमेटी बना दी गई। इस कमेटी ने 2 फरवरी 2024 को योसीसी का छाप तैयार करने सरकार को सौंपा। इससे पहले कमेटी ने करीब ढाई लाख सुझाव ऑफिलाइन और ऑनलाइन प्राप्त किए। 1 फरवरी 2024 के विधानसभा में यूसीसी फिल पेश हुआ और 7 फरवरी को पारित हो गया। 11 मार्च 2024 का राष्ट्रपति ने लिख कर मंजूरी दे दी।

सीएम ने नियमावली और पैरेटल का लोकार्पण कर इसे जनता के लिए खोल दिया है। इस तरह लंबी जदोजहद के बाद उत्तराखण्ड में यूसीसी प्रभावी हो गया। उत्तराखण्ड की भाजपा सरकार के फैसला का विषयकी यारीयां और कुछ धार्मिक समूह विरोधी भी कर रहे हैं। यह भी सच्च है कि भाजपा 2022 में लागात दूसरी बार यूसीसी के दम पर ही सत्ता में लौटी थी। इससे पहले साल 2000 में उत्तराखण्ड ने बाद करने के लिए यूसीसी को ही श्रेय दिया था। अनुचूतिंत जीवनित और किसी प्राधिकरण के जरिए संभित्त व्यक्ति और समूदायों को छोड़कर यूसीसी उत्तराखण्ड के सभी निवासियों पर लागू होगा। उत्तराखण्ड के यूसीसी कानून में विवाह और तलाक, उत्तराधिकार, लिंब-इन रिवरनिशप और इन्से जुड़े मुद्दे सुझाया होंगे। यह कानून महिलाओं और पुरुषों के लिए शारीरी की एवं उत्तराधिकारों के लिए एक जीमीन करता है।

यह कानून बहु विवाह पर भी प्रतिवंश लगाता है। इसका नक्का के तहत सिर्फ उन दो संघों के बीच विवाह हो सकता है, जिसका कार्ड जीवित जीवनसाथी न हो। साथ ही यह भी जोड़ा गया है कि दोनों कानूनी अनुमति देने के लिए मानसिक रूप से सक्षम हों। पुरुष की आयु कम से कम 21 वर्ष और महिला की 18 वर्ष होना जरूरी है। विवाह धार्मिक रीत-रिवाज या कानूनी प्रवाधन के अनुसार हो सकता है। साथ ही इस कानून के लागू होने के बाद 60 दिनों के अंदर शादी को रजिस्टर कराना अनिवार्य होगा। यूसीसी के तहत सभी प्राधिकरणों के लिए लिंब-इन रिवरनिशप और इन्से जुड़े मुद्दे सुझाया होंगे। यह कानून महिलाओं और पुरुषों के लिए शारीरी की एवं उत्तराधिकारों के लिए एक जीमीन करता है।

यूसीसी कानून के सुधारक, अगर पैर-पानी के बीच कोई भी मनमुक्ता होता है तो उसके लिए वह कोर्ट का रुख कर सकते हैं, जिसका सामाधान कानून के अधार पर होगा है। बहरहाल, उत्तराखण्ड में समान नागरिक संहिता के प्रभावी होने से कई लाभ होंगे। सबसे पहले, यह नागरिकों को एक समान कानूनी ढांचा प्रदान करेगा, जिससे व्यक्तिगत कानूनों में विभिन्नता की समस्या समाप्त हो जाएगी। इसके अलावा, यूसीसी महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करेगा और उन्हें समान अधिकार प्रदान करेगा। यह धार्मिक और जीवित भेदभाव को भी समाप्त करेगा और एक समान न्यायिक प्रणाली की स्थापना करेगा। दूसरे राज्यों के भी यूसीसी का लागू करने पर विवाह करना चाहिए, बैंकिंग का वाह एक समान और व्यापारी समाज की स्थापना में मदर बर कर सकता है। हालांकि, इसके लिए व्यापक चर्चा और विवाह-विवर्मण की आवश्यकता होगी, ताकि सभी विद्वारकों की चिंताओं और आवश्यकताओं को ध्यान में रखा जा सके। ■

आज के दिन की प्रमुख हस्ती

भारत के महान क्रांतिकारी

लाला लाजपत राय को भारत के महान क्रांतिकारियों में गिना जाता है। आजीवन ब्रिटिश राजशक्ति का सामना करते हुए अपने पांजाब के 'पांजाब के सरी' भी कहा जाता है। लालाजी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के गरम दल के प्रमुख नेता तथा पूरे पंजाब के प्रतिविधि थे। उन्हें 'पंजाब के शेर' की उपाधि भी मिली थी। उन्होंने कानून की विधियां और लिंब-इन रिवरनिशप और इन्से जुड़े मुद्दे सुझाया होंगे। यह कानून महिलाओं और पुरुषों के लिए शारीरी की एवं उत्तराधिकारों के लिए एक जीमीन करता है।

लाला लाजपत राय
जन्म: 28 जनवरी, 1865
मृत्यु: 17 नवंबर, 1928

'जलियांवाला बांग कांड' हो चुका था और सारा राष्ट्र असंतोष तथा क्षोभ की ज़बानी में जल रहा था। इसी बीच महात्मा गांधी ने 'असहयोग अंदोलन' अंभिका या तो लालाजी पूर्ण तपतर के साथ इसके लिए विरोध किया। 1920 में ही उन्होंने पंजाब के गरम दल के प्रमुख नेता तथा पूरे पंजाब के क्रांतिकारी थे। उन्होंने जिसका कानून बनाया था, उसके लिए विवाह करना चाहिए, बैंकिंग का वाह एक समान और व्यापक समाज की स्थापना करना चाहिए। इसके लिए उनका सर्विक्षक संघर्ष था। उनके नेतृत्व में यह आदिल लंगाजी ने 'लोक और कांड' से क्षया गया और जल्दी ही 'पंजाब का शेर' या 'पंजाब के सरी' जैसे नामों से पुकारे जाने लगे। ■

न जाने क्यों

अफवाह की आग फैली न जाने क्यों

लगाई यह आग किसने न जाने क्यों।

जिंदगी की उल्फत क्या होती है यारो

रोक ली सांस किसने न जाने क्यों।

तर्कों के बाजार में सवाल हैं बहुत

मारी है इंसानियत किसने न जाने क्यों।

अंसू सूख जाएंगे न्याय के दर पर

छोड़ दिए बिलखते किसने न जाने क्यों।

जलमग्न हैं जलगांव बहते नयन नीर से

की हैं सियासत किसने न जाने क्यों।

पाठकों से अनुरोध है कि वे अपनी प्रतिक्रिया, सुझाव, आलेख किया जाए और अपनी बात कॉलम के लिए सामग्री editoranantgyaan@gmail.com पर या ट्वट्सप्रैं नंबर 8894521702 व 8091450407 पर भेज सकते हैं।

न जाने क्यों

अफवाह की आग फैली न जाने क्यों

लगाई यह आग किसने न जाने क्यों।

जिंदगी की उल्फत क्या होती है यारो

रोक ली सांस किसने न जाने क्यों।

तर्कों के बाजार में सवाल हैं बहुत

मारी है इंसानियत किसने न जाने क्यों।

अंसू सूख जाएंगे न्याय के दर पर

छोड़ दिए बिलखते किसने न जाने क्यों।

जलमग्न हैं जलगांव बहते नयन नीर से

की हैं सियासत किसने न जाने क्यों।

पाठकों से अनुरोध है कि वे अपनी प्रतिक्रिया, सुझाव, आलेख किया जाए और अपनी बात कॉलम के लिए सामग्री editoranantgyaan@gmail.com पर या ट्वट्सप्रैं नंबर 8894521702 व 8091450407 पर भेज सकते हैं।

न जाने क्यों

अफवाह की आग फैली न जाने क्यों

लगाई यह आग किसने न जाने क्यों।

जिंदगी की उल्फत क्या होती है यारो

रोक ली सांस किसने न जाने क्यों।

तर्कों के बाजार में सवाल हैं बहुत

मारी है इंसानियत किसने न जाने क्यों।

अंसू सूख जाएंगे न्याय के दर पर

छोड़ दिए बिलखते किसने न जाने क्यों।

जलमग्न हैं जलगांव बहते नयन नीर से

की हैं सियासत किसने न जाने क्यों।

पाठकों से अनुरोध है कि वे अपनी प्रतिक्रिया, सुझाव, आलेख किया जाए और अपनी बात कॉलम के लिए सामग्री editoranantgyaan@gmail.com पर या ट्वट्सप्रैं नंबर 8894521702 व 8091450407 पर भेज सकते हैं।

न जाने क्यों

अफवाह की आग फैली न जाने क्यों

लगाई यह आग किसने न जाने क्यों।

जिंदगी की उल्फत क्या होती है यारो

रोक ली सांस किसने न जाने क्यों।

तर्कों के बाजार में सवाल हैं बहुत

मारी है इंसानियत किसने न जाने क्यों।

अंसू सूख जाएंगे न्याय के दर पर

छोड़ दिए बिलखते किसने न जाने क्यों।

जलमग्न हैं जलगांव बहते नयन न

मंडी में उमनाया जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह, धनी राम शांडिल बोले-

प्रदेश में बन रहे 69 आदर्श हेल्थ सेंटर

अनिल शर्मा, मंडी

गणतंत्र दिवस के उपलब्ध पर मंडी के ऐतिहासिक संस्कृति के साथ अधिकारित तथा सैनिक कल्याण मंत्री डॉ. (कर्नल) धनी राम शांडिल ने समारोह की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने मंडी के संस्कृति के साथ पर राष्ट्रीय ध्वज हाथापाल तथा पुलिस व्होमार्ड, एनसीएस, एनएसएस व स्कॉटर्ट एंड गाइड्स की टुकड़ियों द्वारा निकाले गए आकर्षक मार्च पास्ट की सलामी ली।

इस अवसर पर धनी राम शांडिल ने कहा कि 26 जनवरी का दिन सभी भारतीयों के लिए एक गौरवशाली दिवस है।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र में अत्यधिक सुविधाएं उपलब्ध करावाने के दृष्टिगत अनेक प्रभावी कदम उठा रही हैं। प्रदेश में 69 आदर्श स्वास्थ्य संस्थान बनाए जा रहे हैं। इनमें से 49 आदर्श स्वास्थ्य संस्थानों में 6-6 विशेषज्ञ चिकित्सक तैनात किए जा चुके हैं।



(ऊपर) सलामी लेते हुए धनी राम शांडिल तथा (नीचे) समृद्धिक वित्र में बच्चे व अन्य।

महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण

सांस्कृतिक दलों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। निरिंग स्कूल की प्रशिक्षित छात्राओं ने नवा विद्यालय पर लघु नाटिक प्रस्तुत की। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने इस अवसर पर सांस्कृतिक दलों, मार्च पास्ट में भाग लेने वाली टुकड़ियों के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वित्तियों को सम्मानित की थिया। इससे पहले डॉ. शांडिल ने वीर जातीयों को श्रद्धालुम अर्पित किए तथा महामारी गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

देने के लिए कानून बनाने वाला देश का पहला राज्य है। (अनंत ज्ञान)

न्यूज ब्रीफ

ईएसएम लीग सरकाराद ने मनाया गणतंत्र दिवस

अनंत ज्ञान, सरकाराद। एक सर्वसेविसैन लीग सरकाराद ने 76 वां गणतंत्र दिवस लैंपिंग गेट हाउस सरकाराद के प्रांगण में आयोजित किया। कार्यक्रम की शुरुआत में सूखेदार मेंरिंग खुमा के समारोह में आये हुए धूमपूर्व सैनिकों के साथ टीरनरियों के स्थान के साथ अध्यक्षता की अध्यक्षता कर्नल अमरजीत सिंह ने ध्वजारोपण के साथ की तथा उपस्थिति भूतपूर्व सैनिकों और वीर नारीयों को संवेदित किया। लीग द्वारा विशेष और विभिन्न पूर्व सैनिकों, वीर नारीयों तथा सामिक लीग की अध्यक्षता की अध्यक्षता कर्नल अमरजीत सिंह ने ध्वजारोपण के साथ अधिकारियों को सम्मानित किया। इस मौके पर लीग के अध्यक्ष कैटन पारां चन्द, सैदिय कैटन बलदेव राज, कैटन रघवीर सिंह, कैटन हुक्कम कच्चन, वाइप चेयरमैन, टीएस डोगरा, कैशीर सिंह, सुवेदार मेजर विजय, सुवेदार मेजर ओम प्रकाश, सुवेदार कृष्ण चंद, कैटन पारां, सुशील, सुरजीत, कर्म सिंह परमार, राम लाल, कैटन अंबिल चुमरा, कैटन बलदेव राज, कैटन रघवीर सिंह, कैटन हुक्कम कच्चन, हवलदार रघवीर राजगढ़, हवलदार राजकुमार, नायक सुवेदार अच्युत सिंह, हवलदार रघवीर सिंह, हवलदार राजमीठी गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

जिला न्यायालय परिसर में मनाया गणतंत्र दिवस

अनंत ज्ञान, मंडी। गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन व्यायालय परिसर मंडी में किया गया। इस अवसर पर जिला एवं स्तरीय नायकों ने शान्ति व्यायालय और गांडी और अंकर नायकों की सलामी ली। इस अवसर पर अंतिक्रति जिला एवं स्तरीय व्यायालय और गांडी और अंकर नायकों की सलामी ली। इस अवसर पर अंतिक्रति जिला एवं स्तरीय व्यायालय और गांडी और अंकर नायकों की सलामी ली।

पुलिस ने 36 बोतल अवैध शराब की बरामद

अनंत ज्ञान, सुंदरगढ़। बीएलएल थाला पुलिस सुंदरगढ़ के दल ने गोके के दोराव एक कार सवार युवक को 36 बोतल देसी शराब के साथ धरा है। पुलिस ने आरोपी के द्विवार प्राथमिकी दर्ज कर दी है।

गाली-गलौज व पारने की धमकी देने का मामला दर्ज

अनंत ज्ञान, सुंदरगढ़। महिला के साथ गाली-गलौज, धक्का मुक्की की धमकी को लेकर प्राथमिकी दर्ज की गई है।

जानकारी अनुसार थाना में दर्ज कर्तव्यांकिकी दर्ज कर दी गई है।

जानकारी अनुसार थाना में दर्ज कर्तव्यांकिकी दर्ज कर दी गई है।

जानकारी अनुसार थाना में दर्ज कर्तव्यांकिकी दर्ज कर दी गई है।

जानकारी अनुसार थाना में दर्ज कर्तव्यांकिकी दर्ज कर दी गई है।

जानकारी अनुसार थाना में दर्ज कर्तव्यांकिकी दर्ज कर दी गई है।

जानकारी अनुसार थाना में दर्ज कर्तव्यांकिकी दर्ज कर दी गई है।

जानकारी अनुसार थाना में दर्ज कर्तव्यांकिकी दर्ज कर दी गई है।

जानकारी अनुसार थाना में दर्ज कर्तव्यांकिकी दर्ज कर दी गई है।

जानकारी अनुसार थाना में दर्ज कर्तव्यांकिकी दर्ज कर दी गई है।

जानकारी अनुसार थाना में दर्ज कर्तव्यांकिकी दर्ज कर दी गई है।

जानकारी अनुसार थाना में दर्ज कर्तव्यांकिकी दर्ज कर दी गई है।

जानकारी अनुसार थाना में दर्ज कर्तव्यांकिकी दर्ज कर दी गई है।

जानकारी अनुसार थाना में दर्ज कर्तव्यांकिकी दर्ज कर दी गई है।

जानकारी अनुसार थाना में दर्ज कर्तव्यांकिकी दर्ज कर दी गई है।

जानकारी अनुसार थाना में दर्ज कर्तव्यांकिकी दर्ज कर दी गई है।

जानकारी अनुसार थाना में दर्ज कर्तव्यांकिकी दर्ज कर दी गई है।

जानकारी अनुसार थाना में दर्ज कर्तव्यांकिकी दर्ज कर दी गई है।

जानकारी अनुसार थाना में दर्ज कर्तव्यांकिकी दर्ज कर दी गई है।

जानकारी अनुसार थाना में दर्ज कर्तव्यांकिकी दर्ज कर दी गई है।

जानकारी अनुसार थाना में दर्ज कर्तव्यांकिकी दर्ज कर दी गई है।

जानकारी अनुसार थाना में दर्ज कर्तव्यांकिकी दर्ज कर दी गई है।

जानकारी अनुसार थाना में दर्ज कर्तव्यांकिकी दर्ज कर दी गई है।

जानकारी अनुसार थाना में दर्ज कर्तव्यांकिकी दर्ज कर दी गई है।

जानकारी अनुसार थाना में दर्ज कर्तव्यांकिकी दर्ज कर दी गई है।

जानकारी अनुसार थाना में दर्ज कर्तव्यांकिकी दर्ज कर दी गई है।

जानकारी अनुसार थाना में दर्ज कर्तव्यांकिकी दर्ज कर दी गई है।

जानकारी अनुसार थाना में दर्ज कर्तव्यांकिकी दर्ज कर दी गई है।

जानकारी अनुसार थाना में दर्ज कर्तव्यांकिकी दर्ज कर दी गई है।

जानकारी अनुसार थाना में दर्ज कर्तव्यांकिकी दर्ज कर दी गई है।

जानकारी अनुसार थाना में दर्ज कर्तव्यांकिकी दर्ज कर दी गई है।

जानकारी अनुसार थाना में दर्ज कर्तव्यांकिकी दर्ज कर दी गई है।

जानकारी अनुसार थाना में दर्ज कर्तव्यांकिकी दर्ज कर दी गई है।

जानकारी अनुसार थाना में दर्ज कर्तव्यांकिकी दर्ज कर दी गई है।

जानकारी अनुसार थाना में दर्ज कर्तव्यांकिकी दर्ज कर दी गई है।

जानकारी अनुसार थाना में दर्ज कर्तव्यांकिकी दर्ज कर दी गई है।

जानकारी अनुसार थाना में दर्ज कर्तव्यांकिकी दर्ज कर दी गई है।

जानकारी अनुसार थाना में दर्ज कर्तव्यांकिकी दर्ज कर दी गई है।

जानकारी अनुसार थाना में दर्ज कर्तव्यांकिकी दर्ज कर दी गई है।

जानकारी अनुसार थाना में दर्ज कर्तव्यांकिकी दर्ज कर दी गई है।

जानकारी अनुसार थाना में दर्ज कर्तव्यांकिकी दर्ज कर दी गई है।

जानकारी अनुसार थाना में दर्ज कर्तव्यांकिकी दर्ज कर दी गई है।

जानकारी अनुसार थाना में दर्ज कर्तव्यांकिकी दर्ज कर दी गई है।

जानकारी अनुसार थाना में दर्ज कर्तव्यांकिकी दर्ज कर दी गई है।

जानकारी अनुसार थाना में द

